

विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये,छत्तीसगढ विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ (SCP)

योजना का नाम – विनिमय के आधार पर नर सूकर का वितरण

प्लान प्लान

मांग संख्या 64-2403-4016

राज्य शासन राज्य पोषित।



क्र.	योजना	विवरण
1	उद्देश्य	1 – देशी/स्थानीय नस्ल की सूकरों का नस्ल सुधार 2 – मांस उत्पादन में वृद्धि। 3 – हितग्राहीयों की आर्थिक स्थिति में सुधार।
2	योजना का स्वरूप,कार्य क्षेत्र,कार्य प्रणाली	योजना में अ.ज.जा./अ.जा.के हितग्राहीयों को उन्नत नस्ल का एक सूकर विनिमय पर प्रदाय किया जाता है। हितग्राही से प्राप्त देशी सूकर को घास विक्रय प्राप्त राशि कोषालय में जमा की जाती है।अ.जा./अ.ज.जा.बाहुल्य क्षेत्रों में क्रियान्वित की जा रही है।
3	हितग्राही/अधिनस्थ संस्थाएँ कार्यरत स्टाफ श्रेणीवार स्वीकृत,कार्यरत एवं रिक्त पदों की जानकारी।	अनुसूचित जाति के सूकर पालक।
4	इकाई लागत इकाई लागत	रु0 4000/- 1 नर सूकर –रु0 2000/- आहार रु0 2000/- एक उन्नत नस्ल का प्रजनन योग्य नर सूकर
5	बजट अ – भारत शासन का अंश ब – राज्य शासन का अंश	— राज्य शासन का अंश।
6	अनुदान	योजना विनिमय के आधार पर क्रियान्वित की जा रही है।
7	योजना की उपयोगिता	अ.जा.के हितग्राहियों को उन्नत नस्ल के सूकर से देशी नस्ल में अधिक मांस उत्पादन की क्षमता बढ़ाने हेतु जिससे आर्थिक लाभ होगा।

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये,छत्तीसगढ
विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ

योजना का नाम – शत प्रतिशत् अनुदान पर सांड वितरण

प्लान प्लान
मांग संख्या 41-2403-5260
राज्य शासन राज्य पोषित।



क्रमांक	योजना	विवरण
1	उद्देश्य	<p>1 कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा प्रदेश में मात्र 4 लाख पशुओं के लिये ही उपलब्ध है। अतः सुदूर अंचलों में जहाँ कृत्रिम गर्भाधान सेवा उपलब्ध नहीं है, ऐसे क्षेत्रों में नस्ल सुधार हेतु उन्नत नस्ल के सांडों द्वारा प्राकृतिक गर्भाधान की सुविधा उपलब्ध कराना।</p> <p>2 गौ-सेवको को प्राथमिकता के आधार पर अनुदान पर सांड उपलब्ध कराकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।</p> <p>3 सुदूर अंचलों में कृत्रिम गर्भाधान की अपेक्षा प्राकृतिक गर्भाधान की ओर ग्रामीणों में ज्यादा रुचि होने से उनको प्राकृतिक पशु प्रजनन सुविधा उपलब्ध कराना।</p> <p>4 नस्ल सुधार।</p>
2	योजना	<p>1 इस योजना के अंतर्गत प्रगतिशील पशु पालक अथवा गौ-सेवक प्रशिक्षण प्राप्त ग्रामीण बेरोजगार युवकों उन्नत नस्ल का एक सांड जिसकी अनुमानित इकाई लागत रू0 15000/-होती है, प्रदाय किया जाना प्रस्तावित है।</p> <p>2 योजना प्रदेश के सभी जिलों में लागू की जावेगी।</p> <p>3 योजना समाज के अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लिए लागू की जाना प्रस्तावित है।</p>
3	हितग्राही	अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के पशुपालक।
4	इकाई	एक उन्नत नस्ल का प्रजनन योग्य सांड।
5	योजना लागत	<p>रू0 15000/- उन्नत नस्ल के सांड की कीमत रू0 10000/ पांच वर्षों के लिये बीमा रू0 2000/- परिवहन रू0 2000/- अन्य व्यय उपकरण आदि रू0 1000/- कुल रू0 15000/-</p>
6	अनुदान	शतप्रतिशत
7	बंटन प्रस्तावित	<p>वर्ष 2004 – 2005 आदिवासी उपयोजना रू0 45.00 लाख</p>
8	भौतिक लक्ष्य तथा उपलब्धि	<p>वर्ष 2004 – 2005 आदिवासी उपयोजना लक्ष्य रू0 300</p>

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये,छत्तीसगढ
विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ (TSP)

योजना का नाम – विनिमय के आधार पर सूकरत्रयी का वितरण

प्लान प्लान
मांग संख्या 41-2403-9332
राज्य शासन राज्य पोषित।



क्रमांक	योजना	विवरण
1	उद्देश्य	1 – देशी नस्ल की सूकरो का नस्ल सुधार 2 – मांस उत्पादन में वृद्धि। 3 – हितग्राहीयों की आर्थिक स्थिति में सुधार।
2	योजना का स्वरूप,कार्य क्षेत्र,कार्य प्रणाली	योजना में अ.ज.जा./अ.जा.के हितग्राहीयों को उन्नत नस्ल के एक पर एवं दो मादा सूकर विनिमय पर प्रदाय किया जाता है। हितग्राही से प्राप्त देशी नर/मादा को घोस विक्रय कर प्राप्त राशि कोषालय में जमा की जाती है। अ.जा./अ.ज.जा. बाहुल्य क्षेत्रों में क्रियान्वित की जा रही है।
3	हितग्राही/अधिनस्थ संस्थाएँ कार्यरत स्टाफ श्रेणीवार स्वीकृत,कार्यरत एवं रिक्त पदों की जानकारी।	अनुसूचित जाति/जनजाति के सूकर पालक हितग्राही मूलक।
4	इकाई लागत इकाई संख्या	रु0 5800/- 1 नर सूकर –रु0 2000/- 2 मादा सूकर रु0 3800/- एक उन्नत नस्ल की सूकरत्रयी (1 पर, 2 मादा।
5	बजट अ – भारत शासन का अंश ब – राज्य शासन का अंश	— राज्य शासन का अंश।
6	अनुदान	योजना विनिमय के आधार पर क्रियान्वित की जा रही है।
7	योजना की उपयोगिता	आदिवासी/हरिजन बाहुल्य क्षेत्र के सूकर पालकों को उन्नत नस्ल के सूकर पालन से अधिक मांस उत्पादन वाले सेकरों के विक्रय से आर्थिक लाभ होगा।

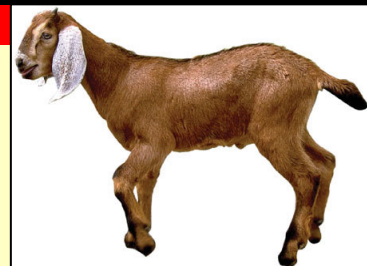
संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये,छत्तीसगढ
विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ (TSP)

योजना का नाम – विनिमय के आधार पर बकरो का प्रदाय

प्लान प्लान

मांग संख्या 41-2403-9333

राज्य शासन राज्य पोषित।



क्रमांक	योजना	विवरण
1	उद्देश्य	1 – देशी नस्ल की बकरियों में सुधार लाना। 2 – मांस तथा दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी। 3 – हितग्राहीयों की आर्थिक स्थिति में सुधार।
2	योजना का स्वरूप,कार्य क्षेत्र,कार्य प्रणाली	योजना में अ.ज.जा./अ.जा.के हितग्राहीयों को उन्नत नस्ल जमनापारी बकरें को विनिमय पर प्रदाय किया जाता है। हितग्राही से प्राप्त देशी बकरें को घास विक्रय प्राप्त राशि कोषालय में जमा की जाती है। अ.ज.जा./हरिजन बाहुल्य क्षेत्रों में क्रियान्वित की जाती है।
3	हितग्राही/अधिनस्थ संस्थाएँ कार्यरत स्टाफ श्रेणीवार स्वीकृत,कार्यरत एवं रिक्त पदों की जानकारी।	अनुसूचित जाति के बकरी पालक हितग्राही मूलक।
4	इकाई लागत इकाई लागत	रु0 2700 /- एक उन्नत नस्ल का प्रजनन योग्य बकरा।
5	बजट अ – भारत शासन का अंश ब – राज्य शासन का अंश	— राज्य शासन का अंश।
6	अनुदान	योजना विनिमय के आधार पर क्रियान्वित की जा रही है।
7	योजना की उपयोगिता	क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में बकरी पालकों की कम लागत में अधिक दूध/मांस उत्पादन के लिये नस्ल सुधरने पर आर्थिक लाभ पहुँचाना।

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये,छत्तीसगढ
विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ (TSP)

योजना का नाम – कुक्कुट पालन योजना
प्लान प्लान
मांग संख्या 41-2403-846
राज्य शासन राज्य पोषित।



क्रमांक	योजना	विवरण
1	उद्देश्य	प्रदेश में आदिवासी एवं अनुसूचित जाति के परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से।
2	योजना का स्वरूप,कार्य क्षेत्र,कार्य प्रणाली	15 दिवसीय 55 रंगीन उन्नत नस्ल के चूजे, कुक्कुट आहार, औषधि एवं परिवहन। छत्तीसगढ राज्य के समस्त जिलों से।
3	हितग्राही/अधिनस्थ संस्थाएँ कार्यरत स्टाफ श्रेणीवार स्वीकृत,कार्यरत एवं रिक्त पदों की जानकारी।	आदिवासी/अनुसूचित जाति के हितग्राही
4	इकाई लागत	रु0 600/- प्रति इकाई चूजों की कीमत रु0 330/- खाद्यान्न रु0 200/- औषधि रु0 50/- परिवहन रु0 20/-
5	बजट अ – भारत शासन का अंश ब – राज्य शासन का अंश	— राज्य शासन का अंश।
6	अनुदान	शासकीय अनुदान 75 प्रतिशत(600 रु.प्रति इकाई)रु.450 अनुदान राशि
7	योजना की उपयोगिता	प्रदेश के आदिवासी परिवारों के जीवन स्तर में सुधान लाने हेतु तथा उनको आय के अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध कराने हेतु गतवर्षों के परिणामों को देखते हुए योजना को निरंतर जारी रखना अनिवार्य।

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये,छत्तीसगढ
विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ (SCP)

योजना का नाम – विनिमय के आधार पर बकरो का प्रदाय

प्लान प्लान
मांग संख्या 64-2403-4017
राज्य शासन राज्य पोषित।



क्रमांक	योजना	विवरण
1	उद्देश्य	1 – देशी नस्ल की बकरियों में सुधार लाना। 2 – मांस तथा दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी। 3 – हितग्राहीयों की आर्थिक स्थिति में सुधार।
2	योजना का स्वरूप,कार्य क्षेत्र,कार्य प्रणाली	योजना में अ.ज.जा./अ.जा.के हितग्राहीयों को उन्नत नस्ल जमनापारी बकरें को विनिमय पर प्रदाय किया जाता है। हितग्राही से प्राप्त देशी बकरें को घास विक्रय प्राप्त राशि कोषालय में जमा की जाती है। अ.ज.जा./हरिजन बाहुल्य क्षेत्रों में क्रियान्वित की जाती है।
3	हितग्राही/अधिनस्थ संस्थाएँ कार्यरत स्टाफ श्रेणीवार स्वीकृत,कार्यरत एवं रिक्त पदों की जानकारी।	अनुसूचित जाति के बकरी पालक हितग्राही मूलक।
4	इकाई लागत इकाई लागत	रु0 2700/- एक उन्नत नस्ल का प्रजनन योग्य बकरा।
5	बजट अ – भारत शासन का अंश ब – राज्य शासन का अंश	— राज्य शासन का अंश।
6	अनुदान	योजना विनिमय के आधार पर क्रियान्वित की जा रही है।
7	योजना की उपयोगिता	क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में बकरी पालकों की कम लागत में अधिक दूध/मांस उत्पादन के लिये नस्ल सुधरने पर आर्थिक लाभ पहुँचाना।

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये,छत्तीसगढ़
विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ (SCP)

योजना का नाम – कुक्कुट पालन योजना
प्लान प्लान
मांग संख्या 64-2403-844
राज्य शासन राज्य पोषित।



क्रमांक	योजना	विवरण
1	उद्देश्य	प्रदेश में आदिवासी एवं अनुसूचित जाति के परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से।
2	योजना का स्वरूप,कार्य क्षेत्र,कार्य प्रणाली	15 दिवसीय 55 रंगीन उन्नत नस्ल के चूजे, कुक्कुट आहार, औषधि एवं परिवहन। छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त जिलों से।
3	हितग्राही/अधिनस्थ संस्थाएँ कार्यरत स्टाफ श्रेणीवार स्वीकृत,कार्यरत एवं रिक्त पदों की जानकारी।	आदिवासी/अनुसूचित जाति के हितग्राही
4	इकाई लागत	रु0 600/- प्रति इकाई चूजों की कीमत रु0 330/- खाद्यान्न रु0 200/- औषधि रु0 50/- परिवहन रु0 20/-
5	बजट अ – भारत शासन का अंश ब – राज्य शासन का अंश	— राज्य शासन का अंश।
6	अनुदान	शासकीय अनुदान 75 प्रतिशत(600 रु.प्रति इकाई)रु.450 अनुदान राशि
7	योजना की उपयोगिता	प्रदेश के आदिवासी परिवारों के जीवन स्तर में सुधान लाने हेतु तथा उनको आय के अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध कराने हेतु गतवर्षों के परिणामों को देखते हुए योजना को निरंतर जारी रखना अनिवार्य।

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये, छत्तीसगढ

विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ

योजना का नाम – शत प्रतिशत अनुदान पर सांड वितरण

प्लान प्लान
मांग संख्या 64-2403-5260
राज्य शासन राज्य पोषित।



क्रमांक	योजना	विवरण
1	उद्देश्य	<p>1 कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा प्रदेश में मात्र 4 लाख पशुओं के लिये ही उपलब्ध है। अतः सुदूर अंचलों में जहाँ कृत्रिम गर्भाधान सेवा उपलब्ध नहीं है, ऐसे क्षेत्रों में नस्ल सुधार हेतु उन्नत नस्ल के सांडों द्वारा प्राकृतिक गर्भाधान की सुविधा उपलब्ध कराना।</p> <p>2 गौ-सेवको को प्राथमिकता के आधार पर अनुदान पर सांड उपलब्ध कराकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना।</p> <p>3 सुदूर अंचलों में कृत्रिम गर्भाधान की अपेक्षा प्राकृतिक गर्भाधान की ओर ग्रामीणों में ज्यादा रुचि होने से उनको प्राकृतिक पशु प्रजनन सुविधा उपलब्ध कराना।</p> <p>4 नस्ल सुधार।</p>
2	योजना	<p>1 इस योजना के अंतर्गत प्रगतिशील पशु पालक अथवा गौ-सेवक प्रशिक्षण प्राप्त ग्रामीण बेरोजगार युवकों उन्नत नस्ल का एक सांड जिसकी अनुमानित इकाई लागत रू0 15000/- होती है, प्रदाय किया जाना प्रस्तावित है।</p> <p>2 योजना प्रदेश के सभी जिलों में लागू की जावेगी।</p> <p>3 योजना समाज के अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लिए लागू की जाना प्रस्तावित है।</p>
3	हितग्राही	अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के पशुपालक।
4	इकाई	एक उन्नत नस्ल का प्रजनन योग्य सांड।
5	योजना लागत	<p>रू0 15000/- उन्नत नस्ल के सांड की कीमत रू0 10000/ पांच वर्षों के लिये बीमा रू0 2000/- परिवहन रू0 2000/- अन्य व्यय उपकरण आदि रू0 1000/- कुल रू0 15000/-</p>
6	अनुदान	शतप्रतिशत
7	बंटन प्रस्तावित	वर्ष 2004 – 2005 आदिवासी उपयोजना रू0 30.00 लाख
8	भौतिक लक्ष्य तथा उपलब्धि	वर्ष 2004 – 2005 आदिवासी उपयोजना लक्ष्य रू0 200

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये,छत्तीसगढ
विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ

योजना का नाम – विशेष पशु प्रजनन कार्यक्रम

प्लान प्लान
मांग संख्या 14-2403 एवं 80-2403 आयोजना
राज्य शासन
राज्य पोषित।



क्रमांक	योजना	विवरण
1	उद्देश्य	1 लघु/सीमान्त कृषक/भूमिहीन खेतीहर मजदूर की आर्थिक स्थिति में सुधार 2 दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी। 3 नस्ल सुधार 4 उन्नत जर्सी मादा वत्स के उचित परिपालन हेतु संतुलित आहार उपलब्ध कराकर गरीब हितग्राहियों में संकर वत्स पालन के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2	योजना	1 योजना में ऐसे लघु/सीमान्त कृषकों तथा भूमिहीन खेतीहर मजदूरों का चुनाव किया जाता है जिनके पास स्वयं की उन्नत जर्सी मादा बछिया उपलब्ध हो। 2 बछिया के भरण पोषण हेतु 4 से 32 माह की आयु 17 क्विंटल पशु आहार प्रदाय किया जाता है। 3 योजना प्रदेश के सभी जिलों में क्रियान्वित की जा रही है।
3	हितग्राही	लघु कृषक,सीमान्त कृषक तथा भूमिहीन खेतीहर मजदूर।
4	इकाई	लघु कृषक,सीमान्त कृषक/भूमिहीन खेतीहर मजदूर के पास उपलब्ध संकर जर्सी बछिया।
5	इकाई लागत	रु0 8100/- 1 पशु आहार 17 क्विंटल / रु04.50 प्र.कि. = 7650 2 औषधि =175 3 3 वर्ष हेतु बीमा राशि = 284 योग :- 8109 = 00 अर्थात 8100 = 00
6	अनुदान	सामान्य वर्ग – अधिकतम सीमा रु 3000 = 00 अनुसूचित जनजाति – अधिकतम सीमा रु 5000 = 00 अनुसूचित जाति – अधिकतम सीमा रु 5000 = 00

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये, छत्तीसगढ
विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ

योजना का नाम – चारा वृक्षारोपण हेतु अनुदान

प्लान प्लान

मांग संख्या 14-2403-5574

राज्य शासन राज्य पोषित।



क्रमांक	योजना	विवरण
1	उद्देश्य	1 हरे चारे की कमी की प्रतिपूर्ति 2 पशु चारे की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना 3 गोचर भूमि के क्षेत्रफल में प्रतिवर्ष कमी होने तथा क्षेत्र के समाप्त प्रायः होने से भूमि क्षरण को रोकना।
2	योजना	1 चारा वृक्षारोपण योजना ऐसे क्षेत्र में ली जावेगी जहाँ सिंचाई के न्यूनतम साधन हों। 2 कृषकों को उनके खेतों की मेड़ों पर चारा वृक्ष लगाने हेतु प्रेरित करने के लिये 100-100 पौधे वन विभाग के माध्यम से प्रदान करना। 3 100 अंक पौधे के लिये 100 गड्डों के अनुदान का प्रावधान।
3	हितग्राही	सभी वर्ग के हितग्राही।
4	योजना इकाई	चारा वृक्ष की विभिन्न प्रजाति के 100 पौधों की इकाई
5	योजना लागत	1 विभिन्न प्रजाति के चारा वृक्षों के 100 पौधों का मूल्य रु0 500 2 100 पौधों के लिये 100 गड्डों की खुदाई रु0 300 योग रु0 800
6	अनुदान	शतप्रतिशत
7	भौतिक लक्ष्य तथा उपलब्धि	वर्ष 2004 - 2005 प्रस्तावित लक्ष्य 7000

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाये,छत्तीसगढ
विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएँ

योजना का नाम – केन्द्र प्रवर्तित मुंहखुरी रोग टीकाकरण कार्यक्रम।
प्लान प्लान (आयोजना)
मांग संख्या 14 – 2403 – 701 –3585 मुंहखुरी टीकाकरण योजना
राज्य शासन/केन्द्र प्रवर्तित केन्द्र प्रवर्तित 25 : 25 – 50 केन्द्र राज्य हितग्राही

क्रमांक	योजना	विवरण
1	उद्देश्य	विभिन्न पशु संवर्धन कार्यक्रमों अंतर्गत पाले जा रहे विदेशी,उन्नत नस्ल,संकर नस्ल व अधिक उत्पादन वाले देशी नस्ल के गौ भैस वंशीय भेड बकरियों को मुंहखुरी रोग से बचाव करते हुए उनकी उत्पादकता बनाये रखना।
2	योजना का स्वरूप,कार्य क्षेत्र,कार्य प्रणाली	टीके का मूल्य 25 प्रतिशत केन्द्र, 25 प्रतिशत, राज्य 50 प्रतिशत, हितग्राही वहन करता है। 1 वर्ष से कम उम्र को 3 टीक, 2 वर्ष से अधिक उम्र को 2 टीके लगाये जाते है।
3	हितग्राही/अधिनस्थ संस्थाएँ कार्यरत स्टाफ श्रेणीवार स्वीकृत,कार्यरत एवं रिक्त पदों की जानकारी।	विदेशी,उन्नत,संकर अधिक उत्पादक देशी नस्ल के पशु पालक सभी पशु चिकित्सा संस्थायेँ जिलाधिकारी के निर्देशन में कार्य करते है। कोई पद स्वीकृत नही है।
4	इकाई लागत (बंटन) इकाई संख्या	रु0 6.20 लाख 16 जिले
5	बजट 2004 – 2005 अ – भारत शासन का अंश ब – राज्य शासन का अंश	रु0 6.20 लाख रु0 3.10 लाख रु0 3.10 लाख
6	अनुदान	निरंक
7	योजना की उपयोगिता	रोग ग्रस्त पशु यद्यपि मरते नही परन्तु अधिक समय तक अस्वस्थ रहने से अनुपयोगी हो जाते है व उत्पादन गिर जाने से कृषकों पशुपालकों को आर्थिक हानि होती है इससे बचाने के लिये याजना जरूरी है।
8	योजना को निरंतर रखने का औचित्य	स्वस्थ पशुओ से अधिकाधिक उत्पादन लेने उनको कृषि कार्यों में उपयोग करने हेतु व पालकों,कृषकों को आर्थिक रूप से सुदढ करने के लिये कार्यक्रम आवश्यक है।